राजकीय महाविद्यालय केकड़ी

हॉलिस्टिक एण्ड होम्योपैथिक अप्रोच एक्सपीरियंस शेयरिंग

राजकीय महाविद्यालय केकड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के एकदिवसीय शिविर में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी केकड़ी एवं अपलिफ्टमेंट आफ सोसायटी विद हॉलिस्टिक और होम्योपैथिक अप्रोच के संयुक्त तत्वाधान में ESHA (एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी) के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रारंभ में विषय प्रवर्तन भौतिक शास्त्र के सहआचार्य अनिल कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया उन्होंने बताया की संवाद कार्यक्रम से अनेक तरह की बातें सीखी जा सकती हैं जैसे की गीता में संवाद कार्यक्रम के द्वारा अर्जुन को ज्ञान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कॉलेज शिक्षा के पूर्व आयुक्त श्री प्रदीप कुमार बोरड ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य हमेशा से विद्यार्थियों का समग्र विकास रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कम मेहनत के द्वारा किस प्रकार सफलता प्राप्त की जाए इस बात की जानकारी भी दी। होम्योपैथी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि होम्योपैथी में बीमारी का नहीं बल्कि बीमार व्यक्ति का इलाज किया जाता है। होम्योपैथी कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों के इलाज में भी सक्षम है। वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ अमित खंडेलवाल ने बताया कि होम्योपैथी बीमार व्यक्ति के डर को खत्म करती हैं। होम्योपैथी डबल्यूएचओ के हेल्थ फॉर ऑल मिशन को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों को बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति राष्ट्र की सेवा बेहतर तरीके से कर सकता हैं तथा हमारे राष्ट्र को विश्व में शीर्ष पर ले जाने में अधिक योगदान दे सकता है। होम्योपैथी के अनुसार शारीरिक बीमारियों का कारण मानसिक असंतुलन होता है। होम्योपैथी शारीरिक व मानसिक संतुलन बनाकर बीमारी का जड़ से इलाज करती है ताकि सर्जरी की आवश्यकता ही ना पड़े। होम्योपैथी शरीर से नकारात्मकता को खत्म करती है। डॉ राजेश मीणा एसोसिएट प्रोफेसर ने बताया कि उनका संस्थान सामाजोपयोगी कार्यों के लिए पिछले 4 सालों से कार्यरत है जिनमें उन्होंने वर्ल्ड पापुलेशन कंट्रोल, आयुष नर्सिंग ट्रेनिंग, प्लांटेशन ड्राइव, एनवायरमेंटल अवेयरनेस व इम्यूनिटी बूस्ट प्रोग्राम आदि के माध्यम से 12000 से अधिक लोगों को लाभांवित किया है। यूनिवर्सिटी के प्राचार्य डॉ पुनीत आर शाह ने उषा संस्था को उद्धृत करते हुए कहा कि आज के संवाद कार्यक्रम को होम्योपैथी की उषा या प्रातः काल कहा जा सकता है। उन्होंने यह विश्वास दिलाया कि जल्द ही होम्योपैथी का चिकित्सा शिविर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लाभार्थ आयोजित किया जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य श्री पीयूष कुमार गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के हित में आज का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है और इस प्रकार के कार्यक्रम महाविद्यालय के छात्रों में नवीन जानकारी के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ नीता चौहान ने एवं धन्यवाद ज्योति मीना ने किया। डॉ अनिता रायसिंघानी ने महाविद्यालय परिवार की तरफ से होम्योपैथिक कॉलेज प्रशासन को यह निवेदन किया कि सप्ताह में वह अपनी सुविधा से कोई एक दिन ऐसा तय करें जब सभी विद्यार्थियों को स्वास्थ्य हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया जा सके। साथ में ही होम्योपैथी को लोकप्रिय बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों के मध्य इसका साहित्य का भी निशुल्क वितरण किया जाए। कार्यक्रम का समापन सभी के द्वारा सामूहिक रूप से समवेत स्वर में कल्याण मंत्र के द्वारा हुआ। कार्यक्रम में चेतन लाल रेगर, विष्णु सिंह राठौड़, डॉ अनिता रायसिंघानी, डॉ शिखा माथुर, डॉ रजनी आदि उपस्थित थे। संवाद कार्यक्रम के पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा श्रमदान किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
Not Me But You
स्वयं से पहले आप
राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी
उषा संस्था, जयपुर की पहल
'ESHA' (Experience Sharing Activ
'ईशा'
होम्योपैथी को जाने
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
केकड़ी
vivo Y31 · DEVESH
Dec 19, 2023, 12:13

vivo Y31 · DEVESH
Dec 19, 2023, 12:12

vivo Y31 · DEVESH
Dec 19, 2023, 12:13

राष्ट्रीय सेवा योजना
vivo Y31 · DEVESH
Dec 19, 2023, 13:30

कुल 117 श्रमिकों में से 69 श्रमिक के निरीक्षण के दौरान कहीं भी मौके पूरा मिल सके।

एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी के तहत संवाद कार्यक्रम का आयोजन

'होम्योपैथी से बीमारी का नहीं, बीमार व्यक्ति का किया जाता है उपचार'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

केकड़ी. राजकीय महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के एकदिवसीय शिविर में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होमियोपैथी एवं अपलिफ्टमेंट ऑफ सोसायटी विथ हॉलिस्टिक एण्ड होम्योपैथिक अप्रोच के संयुक्त तत्वावधान में एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी के तहत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

केकड़ी. संवाद कार्यक्रम में मौजूद वक्ता व विद्यार्थी।

शुरुआत में विषय प्रवर्तन भौतिक शास्त्र के सहआचार्य अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि संवाद कार्यक्रम से अनेक तरह की बातें सीखी जा सकती हैं। जिस तरह भगवत गीता में संवाद से ही अर्जुन को ज्ञान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कॉलेज शिक्षा के पूर्व आयुक्त प्रदीप कुमार बोरड ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य हमेशा से विद्यार्थियों का समग्र विकास रहा है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में कम मेहनत से किस प्रकार सफलता प्राप्त की जाए इसकी भी जानकारी दी। होम्योपैथी के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि होम्योपैथी में बीमारी का नहीं बल्कि बीमार व्यक्ति का इलाज किया जाता है।

होम्योपैथी कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों के इलाज में भी सक्षम है। वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ अमित खंडेलवाल ने बताया कि होम्योपैथी बीमार व्यक्ति के डर को खत्म करती है।होम्योपैथी डब्ल्यूएचओ के हेल्थ फॉर ऑल मिशन को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों को बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति राष्ट्र की सेवा बेहतर तरीके से कर सकता है तथा हमारे राष्ट्र को विश्व में शीर्ष पर ले जाने में अधिक योगदान दे सकता है। होम्योपैथी के अनुसार शारीरिक बीमारियों का कारण मानसिक असंतुलन होता है। होम्योपैथी शारीरिक व मानसिक संतुलन बनाकर बीमारी का जड़ से इलाज करती है ताकि सर्जरी की आवश्यकता ही ना पड़े।

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ राजेश मीणा ने बताया कि उनका संस्थान सामाजोपयोगी कार्यों के लिए पिछले 4 सालों से कार्यरत है,जिनमें उन्होंने वर्ल्ड पापुलेशन कंट्रोल, आयुष नर्सिंग ट्रेनिंग, प्लांटेशन ड्राइव, एनवायरमेंटल अवेयरनेस व इम्यूनिटी बूस्ट प्रोग्राम आदि के माध्यम से 12000 से अधिक लोगों को लाभांवित किया है। यूनिवर्सिटी के प्राचार्य डॉ पुनीत आर शाह ने उषा संस्था को उद्धृत करते हुए कहा कि संवाद कार्यक्रम को होम्योपैथी की उषा या प्रातः काल कहा जा सकता है। उन्होंने यह विश्वास दिलाया कि जल्द ही होम्योपैथी का चिकित्सा शिविर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लाभार्थ आयोजित किया जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य पीयूष कुमार गुप्ता ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम महाविद्यालय के छात्रों में नवीन जानकारी के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक सिद्ध होंगे। संचालन डॉ नीता चौहान ने एवं धन्यवाद ज्योति मीना ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ किया गया। आयोजन में चेतन लाल रेगर, विष्णु सिंह राठौड़, डॉ अनिता रायसिंघानी, डॉ शिखा माथुर, डॉ रजनी आदि ने सहयोग किया। कार्यक्रम के बाद स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में श्रमदान किया।

दीपांकुर चौहान
8104270266

होम्योपैथिक अप्रोच के संयुक्ततत्वाधान में ESHA

(एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी) के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन

दीपांकुर चौहान
न्यूज लाइन नेटवर्क

के कड़ी। राजकीय महाविद्यालय केकड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के एकदिवसीय शिविर में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होमियोपैथी केकड़ी एवं अपलिफ्टमेंट ऑफ सोसायटी विथ हॉलिस्टिक एण्ड होम्योपैथिक अप्रोच के संयुक्त तत्वाधान में ESHA (एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी) के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन। राजकीय महाविद्यालय केकड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के एकदिवसीय शिविर में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी केकड़ी एवं अपलिफ्टमेंट आफ सोसायटी विद हॉलिस्टिक और होम्योपैथिक अप्रोच के संयुक्त तत्वाधान में ESHA (एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी) के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रारंभ में विषय प्रवर्तन भौतिक शास्त्र के सहआचार्य अनिल कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया उन्होंने बताया की संवाद कार्यक्रम से अनेक तरह की बातें सीखी जा सकती हैं जैसे की गीता में संवाद कार्यक्रम के द्वारा अर्जुन को ज्ञान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कॉलेज शिक्षा के पूर्व आयुक्त प्रदीप कुमार बोरड ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य हमेशा से विद्यार्थियों का समग्र विकास रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कम मेहनत के द्वारा किस प्रकार सफलता प्राप्त की जाए इस बात की जानकारी भी दी। होम्योपैथी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि होम्योपैथी में बीमारी का नहीं बल्कि बीमार व्यक्ति का इलाज किया जाता है। होम्योपैथी कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों के इलाज में भी सक्षम है। वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ अमित खंडेलवाल ने बताया कि होम्योपैथी बीमार व्यक्ति के डर को खत्म करती हैं। होम्योपैथी डब्ल्यूएचओ के हेल्थ फॉर ऑल मिशन को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों को बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति राष्ट्र की सेवा बेहतर तरीके से कर सकता हैं तथा हमारे राष्ट्र को विश्व में शीर्ष पर ले जाने में अधिक योगदान दे सकता है। होम्योपैथी के अनुसार शारीरिक बीमारियों का कारण मानसिक असंतुलन होता है। होम्योपैथी शारीरिक व मानसिक संतुलन बनाकर बीमारी का जड़ से इलाज करती है ताकि सर्जरी की आवश्यकता ही ना पड़े। होम्योपैथी शरीर से नकारात्मकता को खत्म करती है। डॉ राजेश मीणा एसोसिएट प्रोफेसर ने बताया कि उनका संस्थान सामाजोपयोगी कार्यों के लिए पिछले 4 सालों से कार्यरत है जिनमें उन्होंने वर्ल्ड पापुलेशन कंट्रोल, आयुष नर्सिंग ट्रेनिंग, प्लांटेशन ड्राइव, एनवायरमेंटल अवेयरनेस व इम्यूनिटी बूस्ट प्रोग्राम आदि के माध्यम से 12000 से अधिक लोगों को लाभांवित किया है। यूनिवर्सिटी के प्राचार्य डॉ पुनीत आर शाह ने उषा संस्था को उद्धृत करते हुए कहा कि आज के संवाद कार्यक्रम को होम्योपैथी की उषा या प्रातः काल कहा जा सकता है। उन्होंने यह विश्वास दिलाया कि जल्द ही होम्योपैथी का चिकित्सा शिविर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लाभार्थ आयोजित किया जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य पीयूष कुमार गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के हित में आज का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है और इस प्रकार के कार्यक्रम महाविद्यालय के छात्रों में नवीन जानकारी के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ नीता चौहान ने एवं धन्यवाद ज्योति मीना ने किया। डॉ अनिता रायसिंघानी ने महाविद्यालय परिवार की तरफ से होम्योपैथिक कॉलेज प्रशासन को यह निवेदन किया कि सप्ताह में वह अपनी सुविधा से कोई एक दिन ऐसा तय करें जब सभी विद्यार्थियों को स्वास्थ्य हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया जा सके। साथ में ही होम्योपैथी को लोकप्रिय बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों के मध्य इसका साहित्य का भी निशुल्क वितरण किया जाए। कार्यक्रम का समापन सभी के द्वारा सामूहिक रूप से समवेत स्वर में कल्याण मंत्र के द्वारा हुआ। कार्यक्रम में चेतन लाल रेगर, विष्णु सिंह राठौड़, डॉ अनिता रायसिंघानी, डॉ शिखा माथुर, डॉ रजनी आदि उपस्थित थे। संवाद कार्यक्रम के पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा श्रमदान किया गया।

होम्योपैथिक अप्रोच के संयुक्त तत्वाधान में एरलअ (एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी) के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन

दीपांकुर चौहान
8104270266

दीपांकुर चौहान / मरुधर विशेष

केकड़ी -राजकीय महाविद्यालय केकड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के एकदिवसीय शिविर में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होमियोपैथी केकड़ी एवं अपलिफ्टमेंट ऑफ सोसायटी विथ हॉलिस्टिक एण्ड होम्योपैथिक अप्रोच के संयुक्त तत्वाधान में एरलअ (एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी) के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन। राजकीय महाविद्यालय केकड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के एकदिवसीय शिविर में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी केकड़ी एवं अपलिफ्टमेंट आफ सोसायटी विद हॉलिस्टिक और होम्योपैथिक अप्रोच के संयुक्त तत्वाधान में एरलअ (एक्सपीरियंस शेयरिंग एक्टिविटी) के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रारंभ में विषय प्रवर्तन भौतिक शास्त्र के सहआचार्य अनिल कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया उन्होंने बताया की संवाद कार्यक्रम से अनेक तरह की बातें सीखी जा सकती हैं जैसे की गीता में संवाद कार्यक्रम के द्वारा अर्जुन को ज्ञान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कॉलेज शिक्षा के पूर्व आयुक्त प्रदीप कुमार बोरड ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य हमेशा से विद्यार्थियों का समग्र विकास रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कम मेहनत के

द्वारा किस प्रकार सफलता प्राप्त की जाए इस बात की जानकारी भी दी। होम्योपैथी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि होम्योपैथी में बीमारी का नहीं बल्कि बीमार व्यक्ति का इलाज किया जाता है। होम्योपैथी कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों के इलाज में भी सक्षम है। वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ अमित खंडेलवाल ने बताया कि होम्योपैथी बीमार व्यक्ति के डर को खत्म करती हैं। होम्योपैथी डबल्यूएचओ के हेल्थ फॉर ऑल मिशन को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों को बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति राष्ट्र की सेवा बेहतर तरीके से कर सकता हैं तथा हमारे राष्ट्र को विश्व में शीर्ष पर ले जाने में अधिक योगदान दे सकता है। होम्योपैथी के अनुसार शारीरिक बीमारियों का कारण मानसिक असंतुलन होता है। होम्योपैथी शारीरिक व मानसिक संतुलन बनाकर बीमारी का जड़ से इलाज करती है ताकि सर्जरी की आवश्यकता ही ना पड़े। होम्योपैथी शरीर से नकारात्मकता को खत्म करती है। डॉ राजेश मीणा एसोसिएट प्रोफेसर ने बताया कि उनका संस्थान सामाजोपयोगी कार्यों के लिए पिछले 4 सालों से कार्यरत है जिनमें उन्होंने वर्ल्ड पापुलेशन कंट्रोल, आयुष नर्सिंग ट्रेनिंग, प्लांटेशन ड्राइव, एनवायरमेंटल अवेयरनेस व इम्यूनिटी बूस्ट प्रोग्राम आदि के माध्यम से 12000 से अधिक लोगों को लाभांवित किया है। यूनिवर्सिटी के प्राचार्य डॉ पुनीत आर शाह ने उषा संस्था को उद्धृत करते हुए कहा कि आज के संवाद कार्यक्रम को होम्योपैथी की उषा या प्रातः काल कहा जा सकता है। उन्होंने यह विश्वास दिलाया कि जल्द ही होम्योपैथी का चिकित्सा शिविर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लाभार्थ आयोजित किया जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य पीयूष कुमार गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के हित में आज का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है और इस प्रकार के कार्यक्रम महाविद्यालय के छात्रों में नवीन जानकारी के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ नीता चौहान ने एवं धन्यवाद ज्योति मीना ने किया। डॉ अनिता रायसिंघानी ने महाविद्यालय परिवार की तरफ से होम्योपैथिक कॉलेज प्रशासन को यह निवेदन किया कि सप्ताह में वह अपनी सुविधा से कोई एक दिन ऐसा तय करें जब सभी विद्यार्थियों को स्वास्थ्य हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया जा सके। साथ में ही होम्योपैथी को लोकप्रिय बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों के मध्य इसका साहित्य का भी निशुल्क वितरण किया जाए। कार्यक्रम का समापन सभी के द्वारा सामूहिक रूप से समवेत स्वर में कल्याण मंत्र के द्वारा हुआ। कार्यक्रम में चेतन लाल रेगर, विष्णु सिंह राठौड़, डॉ अनिता रायसिंघानी, डॉ शिखा माथुर, डॉ रजनी आदि उपस्थित थे। संवाद कार्यक्रम के पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा श्रमदान किया गया।